# *City International School*

**FIRST TERMINAL EXAMINATION – 2015 - 2016**

**Date : 30/09/2015** **Marks : 80**

**Std : VIII** **Subject : Hindi** **Time :** 3 hrs

## SECTION A [40 MARKS]
## Attempt all questions

**Q. 1 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त निबंध लिखिए :-** **(15)**

i. महानगर में रहने के लाभ और हानियों पर प्रकाश डालिए।

ii. आज विज्ञान ने मानव जीवन सरल बना दिया है परंतु अति हर वस्तु की बुरी होती है, इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

iii. शज्जन पुरुष की संगति किसी भाग्यशाली और पुण्यात्मा को ही प्राप्त होती है। कुसंग एक भयानक ज्वर के समान होता है।

iv. "बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताये" इस कथन के आधार पर एक कहानी लिखिए।

**Q. 2 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए ।** **(7)**

i. वर्षा के दिनों में मुंबई के सड़कों की दुर्दशा के कारण आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं, इस संबंध में संपादक को पत्र लिखिए।

ii. अपने मित्र को पत्र लिखिए और उन रोचक घटनाओं का वर्णन कीजिए जो हाल ही में आपके विद्यालय में घटित हुईं हैं।

**Q. 3 नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।**

एक दिन घनघोर वर्षा हो रही थी। मेघों की भयानक गर्जना ने उस शाम के वातावरण को और भयावह बना दिया था। एक अधेड़ दंपती झोंपड़ी में बैठे दुख - सुख की बातें कर रहे थे। अचानक किसी ने दरवाज़ा खटखटाया और आवाज़ दी - "अंदर कोई है?" किसान ने दरवाज़ा खोलकर देखा तो सामने आत्मविश्वास से भरा बीस - इक्कीस वर्ष का कोई युवक खड़ा था। वर्षा में उसके वस्त्र पूर्ण रुप से भीग चुके थे। वह बहुत थका लग रहा था। उसकी वेशभूषा और लटकती तलवार से लगता था कि वह सिपाही है। किसान ने उससे पूछा - "क्या बात है भाई?"

युवक बोला - "मैं एक राही हूँ। मार्ग भटक गया हूँ। वर्षा में बुरी तरह भीग गया हूँ। मैं मेरा घोड़ा बुरी तरह थक गए हैं। आज की रात बिताने के लिए जगह चाहिए।"

नवयुवक को आसरा मिल गया। किसान की पत्नी ने उसे बदलने के लिए कपड़े दिए। भीगे वस्त्रों को आग के पास टाँग दिया जिससे जल्दी सूख जाएँ। किसान ने घोड़े को आँगन में बाँध दिया और खाने के लिए चारा दे दिया।

किसान की पत्नी ने युवक से पूछा - "भूख लगी होगी, खाना खा लो।"

युवक ने कहा - "नहीं, नहीं, मैं खाना नहीं खाऊँगा। मैं सोना चाहता हूँ।"

किसान बोला - "यह नहीं हो सकता। हम निर्धन अवश्य हैं, लेकिन घर आए अतिथि को भूखा थोड़े ही सोने देंगे। जो कुछ रुखा - सूखा हम खाते हैं, वही तुम भी खा लो।"

युवक इस प्रेम - भरे आग्रह को टाल न सका। किसान की पत्नी ने युवक तथा किसान के आगे केले के पत्तल लगा दिए। पत्ते पर भात परोसा और वह कढ़ी लाने गई। स्त्री ने भार पर कढ़ी परोसी तो वह पत्तल पर बहने लगी। युवक उसे एक ओर से रोकता वह दूसरी ओर से बहने लगती। युवक की समझ में नहीं आ रहा था कि वह कढ़ी को रोकने के लिए क्या करे?

युवक की परेशानी देखकर किसान की पत्नी को हँसी आ गई और वह बोली - "तुम तो शिवाजी की तरह बुद्धू हो।" फिर उसने उसे समझाते हुए कहा - "भात में कढ़ी लेने से पहले गड्ढा कर लेना चाहिए। नहीं तो कढ़ी रुक नहीं सकती, तुम्हें इतना भी नहीं मालूम?"

युवक बोला - "मुझे तो कढ़ी - भात खाना नहीं आता, इसलिए मैं तो बुद्ध हूँ, लेकिन यह शिवाजी कौन है? उसे आप बुद्धू क्यों कहती हैं?"

किसान की पत्नी बोली - "शिवाजी महाराष्ट्र पर अपना राज्य कायम करना चाहता है, इसलिए सुलतान से लड़ता है। वह बहादुर तो बहुत है, लेकिन उसकी लड़ाई का तरीका गलत है।"

"तरीका गलत है, वह कैसे?" युवक ने पूछा।

स्त्री बोली - "शिवाजी गाँव पर कब्ज़ा तो कर लेता है, परंतु किलों पर अधिकार नहीं करता है। सुलतान के सैनिक मौका मिलते ही किले से निकलते हैं और मारधाड करते हैं। फिर शिवाजी को पीछे हटना पड़ता है। वह यह नहीं समझता कि स्वराज्य कायम करना है तो पहले किलों पर कब्ज़ा करना चाहिए।"

युवक बोला - "किलों पर कब्ज़ा करना आसान नहीं है और इसमें समय भी लगता है।"

स्त्री ने कहा - "यह ठिक है, परंतु किलों पर कब्ज़ा करना आवश्यक है। किलों पर अधिकार किए बिना स्वराज्य कायम नहीं किया जा सकता। जैसे भात में गड्ढा किए बगैर कढ़ी बह जाती है, उसी प्रकार किलों के बिना प्रदेश भी हाथ से निकल जाएगा। जिसके पास किले होंगे, उसी का महाराष्ट्र पर शासन होगा।"

युवक को स्त्री की बात समझ में आ गई। वह सुबह उठकर चला गया।

इस घटना को हुए कई वर्ष बीत गए। किसान दंपती वृद्ध हो गए। महाराष्ट्र में शिवाजी का शासन कायम हो गया। उनके राज्याभिषेक की तैयारियाँ हो रही थीं। तभी एक दिन बूढ़ा किसान अपनी झोंपड़ी के बाहर बैठा था। उसी समय बहुत से घुड़सवार वहाँ आकर रुके और किसान से कुछ पूछा। उत्तरों से संतुष्ट होकर घुड़सवारों के नेता ने कहा - "शिवाजी ने आपको आमंत्रित किया है।"

यह सुनते ही किसान घबरा गया और बोला - "क्या बात है? मुझसे कोई अपराध हुआ है, जो शिवाजी ने मुझे बुलाया है।"

सरदार ने कहा - "महाराज ने हमें केवल इतना ही बताया है कि आपके कढ़ी - भात के सबक के कारण ही स्वराज्य कायम हो सका है। अतः महाराज की इच्छा है कि आप उनके राज्यभिषेक में अवश्य पधारें।"

**प्रश्नः-**

i. दरवाज़ा खटखटाने वाला युवक कौन था? उस समय उसकी दशा कैसी थी? **(2)**

ii. किसान के किस आग्रह को युवक टाल न सका? **(2)**

iii. इस सलाह से पहले शिवाजी की कोशिशें क्यों बेकार जा रही थीं? समझाते हुए लिखिए। **(2)**

iv. "भात और किले" में क्या समानता है? किलों पर कब्ज़ा करना क्यों आवश्यक था? **(2)**

v. कथा के आधार पर "किसान दंपति" के गुणों का परिचय दीजिए। **(2)**

**Q. 4** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

**i. निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो के दो – दो पर्याययवाची शब्द लिखिए :-** **(2)**

a. आनंद b. उत्साह c. दुष्ट d. नया

**ii. निम्न शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :-** **(1)**

a. आदर्श b. अपव्ययी c. उदार d. ऐश्वर्य

**iii. भाववाचक संज्ञा बनाइए :- (किन्ही दो के)** **(1)**

a. राष्ट्र b. ब्राह्मण c. मानव d. शिशु

**iv. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्ही एक की सहायता से वाक्य बनाइए :-** **(1)**

a. जमीन पर पैर न पड़ना - b. रंग में भंग होना -

**v. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए। (कोई एक)** **(1)**

a. पहले जन्म लेनेवाला - b. जो विशेष ज्ञान रखता हो -

**vi. कोष्टक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य में परिवर्तन कीजिए :- (किन्ही दो के)** **(2)**

a. कवि ने वधू को उपहार दिया। (रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए।)

b. संजय के मन में लोगों के प्रति बहुत दयाभाव है। ("दयालु" का प्रयोग कीजिए।)

c. उनके दिन बड़े - सुख - चैन से बीतने लगे। ("उन्होंने" से वाक्य आरंभ करिए।)

## SECTION B [40 MARKS]
## गुंजन

**निम्नलिखित गद्यांशों को पढिए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-**

**Q. 5** 'प्रकृति हमें काम में जुटे रहने की प्रेरणा देती है।'

i. पंक्ति का आशय स्पष्ट करिए बताइए कि प्रकृति से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ? **(3)**

ii. लक्ष्य सिद्धि का मुख्य आधार क्या है ? **(3)**

iii. कैसे व्यक्ति को महान माना गया है और क्यों ? **(2)**

iv. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए। **(2)**

a. स्रोत b. दृढ़ c. संचार d. संगम

**Q. 6** "आज मरने के समय राज - चिह्न धारण करने की इच्छा हुई है।"

i. प्रस्तुत पंक्ति का वक्ता कौन है ? राज चिह्न पहनने का उसका क्या उद्देश्य था ? **(3)**

ii. मन्ना जी की चतुराई जानकर शक्ति सिंह ने क्या किया ? **(2)**

iii. शक्ति सिंह को किस बात का पछतावा हो रहा था ? **(3)**

iv. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए। **(2)**

a. विद्रोही b. उन्मत्त c. व्यूह d. त्रस्त

**Q. 7** "आज वर्षों बाद मैं फिर आया हूँ यहाँ, अपने घर। यहाँ के कण - कण में शैशव की कितनी ही हर्ष - विषाद मिश्रित स्मृतियाँ पड़ी है।"

i. प्रस्तुत पंक्ति का वक्ता कौन है, उसका सक्षिप्त परिचय दीजिए। **(2)**

ii. "रथचक्र" शब्द से लेखक का क्या तार्त्पय है ? **(3)**

iii. बाबा तथा बड़े भैया ने फलों के जो वृक्ष लगाए थे, उनका क्या हुआ ? **(3)**

iv. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए। **(2)**

a. बखान b. वज़ीफा c. वज्रपात d. घमासान

## साहित्य सागर

**Q. 8 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-**

काँकर पाथर जोरि कै मसजिद लई बनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय।।
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार।।

i. प्रस्तुत पंक्तियों के कवि का नाम लिखकर "साखी" का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए। **(3)**

ii. पहाड़ पूजने का तर्क देखर कवि क्या समझाना चाहते हैं ? **(2)**

iii. "क्या बहरा हुआ खुदाय" कवि ने ऐसा क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए। **(3)**

iv. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए। **(2)**

a. चाकी b. पाहत c. कँकर d. जोरि